Shri Rama Stava

श्रीरामस्तवः

Document Information

Text title : Shri Rama Stava 1

File name : rAmastavaH.itx

Category : raama

Location : doc_raama

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Description/comments : From stotrArNavaH 04-22

Latest update : September 12, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 15, 2022

sanskritdocuments.org

श्रीरामस्तवः

भजेऽहं सदा राममिन्दीवराभं
    भवारण्यदावानलाभाभिधानम् ।
भवानीहृदाभाचिदानन्दरूपं
    भवाभावहेतुं भवादिप्रपन्नम् ॥ १॥

सुरानीकदुःखौघनाशैकहेतुं
    नराकारदेहं निराकारमीड्यम् ।
परेशं परानन्दरूपं वरेण्यं
    हरिं राममीशं भजे भारनाशम् ॥ २॥

प्रपन्नाखिलानन्ददोहं प्रसन्नं
    प्रपन्नार्तिनिश्शेषनाशाभिधानम् ।
तपोयोगयोगीशभावादिभव्यं
    कपीशादिमित्रं भजे राममित्रम् ॥ ३॥

सदा भोगभाजां सुदूरे विभान्तं
    चिदानन्दकन्दं सदारामवेशम् ।
विदेहात्मजानन्दरूपं सुरेशं
    महेशं नरेशानरामं प्रपद्ये ॥ ४॥

महायोगमायाविशेषानुयुक्त्या
    सुराधीशलीलानराकारमूर्तेः ।
सदानन्दलीलाकथापूर्णकर्णाः
    सदानन्दरूपा भवन्तीह लोके ॥ ५॥

अहम्मानपानाभिमत्तः प्रमत्तो
    न वेदाखिलेशाभिमानाभिमानः ।
इदानीं भवत्पादपद्मप्रसादात्
    त्रिलोकाधिपत्याभिमानो विनष्टः ॥ ६॥

स्फुरद्रत्नकेयूरहाराभिरामं
    धराभारभूतासुरानीकदावम् ।
शरच्चन्द्रवक्त्रं लसत्पद्मनेत्रं
    दुरावारपारं भजे राघवेशम् ॥ ७॥

सुराधीशनीलाभ्रनीलाङ्गकान्तिं
    विराधादिरक्षोवधाल्लोकशान्तिम् ।
किरीटादिशोभं पुरारातिलाभं
    भजे रामचन्द्रं रघूणामधीशम् ॥ ८॥

लसच्चन्द्रकोटिप्रकाशाधिपीठे
    समासीनमेकं समाधाय सीताम् ।
स्फुरद्धेमवर्णां तटित्पुञ्जभासां
    भजे रामचन्द्रं निवृत्तार्तितन्त्रम् ॥ ९॥

इति श्रीरामस्तवः सम्पूर्णः ।

Proofread by Aruna Narayanan

Shri Rama Stava

pdf was typeset on October 15, 2022

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*